Define Population Geography and distinguish it from demography.

OR

'Population is the point of reference from which all other elements are observed, and from which they all singly and collectively derive significance and meaning'. - Discuss.

Ans

भूगोल के उत्तरोत्तर विकास के साथ ही इसकी अनेक शाखाओं का जन्म हुआ, जिनमें जनसंख्या भूगोल एक अत्यंत महत्वपूर्ण (नवीन) शाखा है जिसकी शुरुआत बीसवीं वर्तमान शदी के उत्तरार्द्ध में हुई। इसके पहले भूगोल के अध्ययन में प्राकृतिक वातावरण के अध्ययन को अधिक महत्व दिया जाता था, प्रत्युत अब जनसंख्या भूगोल के अंतर्गत स्वयं मानव ही अध्ययन का प्रमुख केन्द्र बिन्दु बन गया है। जनसंख्या भूगोल के अंतर्गत मनुष्य तथा उसके आर्थिक-क्रियाकलापों का अध्ययन उसके चतुर्दिक विद्यमान प्राकृतिक वातावरण के परिवेश में किया जाता है।

वस्तुत: जनसंख्या भूगोल की नींव उस समय पड़ी, जब भूगोल में संभववाद का विकास हुआ तथा भूगोल में मानव केन्द्रित अध्ययन पर बल दिया गया, जिसका श्रेय फ्रांसीसी भूगोलवेत्ता Vidal-de-La-Blach, Jean Brunhes तथा M. Shore को जाता है। अपितु जनसंख्या भूगोल को भूगोल की एक महत्वपूर्ण व स्वतंत्र शाखा के रूप में विकसित करने का श्रेय G.T Trewartha को है जिन्होंने 1953 ई० में अपने व्याख्यान के अंतर्गत भूगोलविदों से आह्वान किया कि इसे एक अलग शाखा के रूप में विकसित किया जाए। Trewartha के अतिरिक्त ~~अ~~ जॉन क्लार्क, ज़ेलिंस्की, गार्नियर, एकरमैन, मेलजिन, पोकशीशेवस्की आदि कतिपय विद्वानों ने अपना योगदान जनसंख्या भूगोल के विकास में दिया। अतएव आज जनसंख्या भूगोल का अध्ययन एक स्वतंत्र शाखा के रूप में विश्व के कई विश्वविद्यालयों में किया जा रहा है।

Scanned with CamScanner

जनसंख्या भूगोल को अनेक भूगोलविदों ने परिभाषित करने का प्रयास किया है, तथा अपने विचारों से उसकी पुष्टि की है —

G. T. Trewartha — चूंकि 1953 में ट्रेवार्था महोदय ने Association of American Geographers को अध्यक्ष पद से सम्बोधित करते हुए जनसंख्या भूगोल का विकास एक शाखा के रूप करने की बात कही, इसलिए उन्होंने इसे परिभाषित करने की कोशिश की। उन्होंने बतलाया कि मानव का महत्व क्षेत्रों को विशिष्टता प्रदान करनेवाले विविध कारकों के बीच काफी है अतएव इसका अध्ययन अनिवार्य हो जाता है। उनकी बातों को इस प्रकार रखा जा सकता है —

"Population Geography is the study of man as area characterising and area differentiating element." अर्थात "जनसंख्या भूगोल मानव का अध्ययन क्षेत्र को विशिष्टता प्रदान करनेवाले तथा भिन्न-भिन्न क्षेत्रों के बीच विषमता उत्पन्न करनेवाले कारक के रूप में ~~किया जाना चाहिए~~" करता है।" इससे स्पष्ट होता है कि Triwartha ने जनसंख्या भूगोल में मानव निवासित पृथ्वी में प्रादेशिक विषमताओं को मानव के सम्बन्ध में अध्ययन पर जोर दिया है। *वस्तुतः जनसंख्या ....* मानव का अध्ययन इस रूप में किया जाना चाहिए कि मानव केवल भौतिक वातावरण का उपयोगकर्ता नहीं है बल्कि सांस्कृतिक वातावरण का निर्माता भी है ~~वस्तुतः~~ जनसंख्या काफी गतिशील है तथा क्षेत्र विषमता तथा स्थानिक संगठन आदि प्रक्रमों का मूल कारक है।

P. E. James — ट्रेवार्था महोदय से प्रभावित होकर जेम्स महोदय ने 1954 में "American Geography: Inventary and Prospect" नामक संकलन प्रकाशित

Scanned with CamScanner

किया जिसमे उन्होंने "The geographic Study of Population" नामक चैप्टर जोड़ा। उसमें जेम्स के ने ट्रिवार्था की तरह ही मानव को क्षेत्रीय विषमताएँ उत्पन्न करनेवाला कारक के रूप में स्वीकार किया। जेम्स के अनुसार – "जनसंख्या भूगोल मुख्य प्रकरण है जिसके चतुर्दिक भौगोलिक खोज की जा सकती है जिसका उद्देश्य मानववासियों के प्रकार और जनसंख्या के क्षेत्रीय अंतर के महत्व को प्रकाश में लाना है।"

Jone I. Clarke – क्लार्क महोदय ने 1965 में "Population Geography" नामक पुस्तक का प्रथम संस्करण प्रकाशित करवाया जिसमे उन्होंने कहा कि "जनसंख्या के वितरण, संरचना, जनसंख्या-स्थानान्तरण और वृद्धि में स्थानिक अन्तर क्षेत्र के प्राकृतिक वातावरण के स्थानिक अंतर से किस प्रकार सम्बन्धित है, इसी का अध्ययन जनसंख्या भूगोल है।" उन्होंने जनसंख्या भूगोल और जनांकिकी (Demography) में अंतर स्थापित करते हुए कहा है कि जनांकिकी में मानव संख्या और सांख्यिकीय विधि पर बल दिया जाता है जबकि जनसंख्या भूगोल में क्षेत्र व जनसंख्या के सम्बन्ध तथा मानचित्रों की प्रधानता दी जाती है। 1972 में उक्त पुस्तक का संशोधित संस्करण प्रकाशित हुआ जिसमे उन्होंने बताया कि "Population Geography is the study of spatial inter-relation between the spatial differentiation of population distribution and physical, cultural and economic elements."

W. Zelinsky → विल्बर जेलिंस्की ने जनसंख्या भूगोल को परिभाषित करते हुए कहा है कि "जनसंख्या भूगोल वह विज्ञान है जो उन तथ्यों का अध्ययन करता है जो किसी क्षेत्र के भौगोलिक स्वरूप को निर्मित

करते हैं और बदले में उन भौगोलिक स्वरूपों द्वारा प्रभावित होते हैं। "उनके अनुसार जनसंख्या भूगोल में तीन तथ्यों का अध्ययन किया जाता है— (i) जनसंख्या की अवस्थिति तथा उसके अन्य गुणों का सामान्य वर्णन (ii) जनसंख्या व उसके गुणों के स्थानिक स्वरूपों की व्याख्या तथा (iii) जनसंख्या के तत्वों का विश्लेषण। इस प्रकार कहा जा सकता है कि "जनसंख्या भूगोल क्षेत्र की जनसंख्या और उसके प्राकृतिक पर्यावरण के अंतर्सम्बन्धों का अध्ययन है।

J.B. Garnier — Miss J. B. Garnier के अनुसार— "जनसंख्या भूगोल वर्तमान भौगोलिक पर्यावरण के संदर्भ में जनांकिकी-तथ्यों का वर्णन करता है तथा साथ-साथ उनके कारणों, उनके मूल लक्षणों व संभावित परिणामों का अध्ययन करता है। उनके अनुसार भूगोल में तीन पक्षों का अध्ययन किया जाता है— (i) जनसंख्या का वितरण (ii) मानव समाज का विकास एवं (iii) सफलता की मात्रा।

E. A. Ackerman — Ackerman के अनुसार "क्षेत्रीय वितरण को प्रभावित करनेवाले प्रक्रमों का बोध कराना जनसंख्या भूगोल का लक्ष्य है। उन्होंने तीन स्तर पर जनसंख्या भूगोल की विषयवस्तु को सीमांकित किया है—
(i) आतीय सम्बन्धों की पहचान जिसमें श्रेणीकरण, वर्गीकरण तथा विभिन्नताजन्य प्रक्रियाएँ सम्मिलित हैं
(ii) स्थानिक वितरण का गतिशील पक्ष जिसमें सामयिक परिवर्तन अधिक महत्वपूर्ण है।
(iii) क्षेत्रीय सम्बन्धों के बोध के लिए खोज करना।

~~A. Melezin~~ — उपर्युक्त सभी परिभाषाएँ पाश्चात्य विचारकों ~~द्वारा उपजी~~ की उपज हैं जो सोवियत संघ या मार्क्सवादी विचारकों द्वारा व्यापक समर्थन नहीं प्राप्त कर पाया है। सोवियत रूस के भूगोलविदों

Scanned with CamScanner

पर्यावरण को तनिक भी स्थान नहीं दिया है तथा मानव को आर्थिक दृष्टि से अधिक उत्पादक स्वीकार किया है। वहाँ जनसंख्या भूगोल को आर्थिक भूगोल का एक अंग माना गया है। तथा इसके क्षेत्र को पश्चिमी देशों की तुलना में अधिक व्यापक माना है।

A. Melezin — रूसी विद्वान A. Melezin ने कहा कि "जनसंख्या भूगोल विविध जनसंख्या समूहों के अंतर्गत वर्तमान उत्पादक सम्बन्धों व जनसंख्या वितरण के अध्ययन के साथ-साथ मानव अधिवासों के जाल तथा समाज के उत्पादक लक्ष्यों के लिए उनकी उपयुक्तता, उपयोगिता एवं प्रभावकारिता का अध्ययन है।"

S.A. Coblev — दूसरे रूसी विद्वान कोवलेव ने जनसंख्या भूगोल में जनसंख्या के आर्थिक क्रियाकलापों पर बल दिया है।

सोवियत विद्वानों ने जनसंख्या भूगोल में मानव अधिवास को जोड़ने की कोशिश की है, जिसपर कुछ विद्वानों को ~~अक्सर~~ आपत्ति है कि सोवियत विद्वान जनसंख्या भूगोल को "अधिवास भूगोल के समीप ले जा रहे हैं। इसलिए विल्सन महोदय ने कहा कि मानव अधिवासों के आकार, ~~पारस्परिक~~ पारस्परिक दूरी व क्रियाकलापों का अध्ययन बस्ती भूगोल के लिए छोड़ देना चाहिए और जनसंख्या के गुणों का जनसंख्या भूगोल के अंतर्गत अध्ययन किया जाना चाहिए।

इस प्रकार पश्चिमी विद्वानों के अनुरूप इस निष्कर्ष पर पहुँचा जा सकता है कि "जनसंख्या भूगोल मानव को अध्ययन क्षेत्र को विशिष्टता प्रदान करने वाले तथा भिन्न-भिन्न क्षेत्रों के बीच विषमता उत्पन्न करने वाले कारक के रूप में करता है।"

Scanned with CamScanner

Difference between Population Geography and Demography

(1) जनसंख्या भूगोल किसी क्षेत्र में विशिष्टता व विषमता उत्पन्न करनेवाले ~~कारकों~~ मानव का अध्ययन है।

जनांकिकी (Demography) ग्रीक भाषा के दो शब्दों Demos (People-जन) और Grapho (write-लेखन) से बना है जिसका अर्थ जनसंख्या के बारे में लिखना या अंकित करना है। एशेले गुलियार्ड महोदय ने कहा है कि 'Demography is the science which studies the number of people. अर्थात् जनांकिकी वह विज्ञान है जो मानव संख्या का अध्ययन करता है।

(2) जनांकिकी मानव की संख्या से सम्बन्धित है जबकि जनसंख्या भूगोल मानव की संख्या का क्षेत्र से सम्बन्ध स्थापित करता है।

(3) जनांकिकी में सांख्यिकीय विधि अपनायी जाती है जबकि जॉन आई. क्लार्क महोदय के अनुसार जनसंख्या भूगोल में मानचित्रों को महत्व दिया जाता है।

(4) जनांकिकी में जन आंकड़े प्रशासनिक इकाइयों के संदर्भ में प्राप्त किए जाते हैं जबकि जनसंख्या भूगोल में जन आंकड़े भौगोलिक प्रदेश के संदर्भ में प्राप्त किए जाते हैं।

(5) जनांकिकी में जनसंख्या के संघटकों (Components) जैसे - जन्म, मृत्यु, जनस्थानान्तरण इत्यादि का अध्ययन किया जाता है जिससे किसी क्षेत्र की जनसंख्या में अंतर और परिवर्तन होते हैं। जनसंख्या भूगोल में न केवल जनसंख्या सम्बन्धी विषमता का अध्ययन किया जाता है बल्कि जनसंख्या परिवर्तन का सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक, जैविक वंशानुक्रम भौगोलिक इत्यादि कारकों से क्या सम्बन्ध है, इसका भी अध्ययन करता है।

(6) जनांकिकी का अध्ययन क्षेत्र सीमित है जबकि जनसंख्या भूगोल का क्षेत्र व्यापक है।

Scanned with CamScanner